

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना हेतु भारत की प्रतिबद्धता

प्रलिस के लिये:

[संयुक्त राष्ट्र शांतिमिशन](#), UNPK संचालन में महिलाओं के लिये भारत-आसियान पहल, [संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अंतरराष्ट्रीय दलिस](#)

मेन्स के लिये:

[वविदों को हल करने और शांति को बढ़ावा देने में संयुक्त राष्ट्र शांतिमिशन की भूमिका](#), भारत का योगदान, UNPK संचालन में महिलाओं के लिये भारत-आसियान पहल

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना ने 29 मई को [संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के 75वें अंतरराष्ट्रीय दलिस](#) के अवसर पर नई दलिली में [राष्ट्रीय युद्ध समारक](#) पर शहीद सैनिकों को शरदधांजला अरपति की।

- इस दलन का महत्त्व इसललिये भी है कयोंकयिह वरष 1948 में [संयुक्त राष्ट्र के पहले शांतिमिशन](#) की वरषगाँठ का प्रतीक है।
- इसके अतरिकित वरष 2023 में भारत ने [रकषा कषेत्र में आसियान के साथ सहयोग](#) के रूप में दो पहलों का अनावरण कयिा जनिहें वशिष रूप से [दकषणि-पूर्व एशयिा की महिला कर्मयिों को प्रशकषति करने](#) के लयिे डजिाइन कयिा गया है।

UNPK अभयिानों में महिलाओं के लयिे भारत-आसियान पहल:

- 'UNPK (United Nations Peacekeeping) अभयिानों में महिलाओं के लयिे भारत-आसियान पहल', संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लयिे भारत और [दकषणि-पूर्व एशयिाई देशों के संगठन \(ASEAN\)](#) के बीच एक सहयोगी प्रयास को संदरभति करती है।
- यह पहल आसियान सदस्य देशों की उन महिला कर्मयिों को प्रशकषण और सहायता प्रदान करने पर केंदरति है जो शांति सैनिकों के रूप में सेवा करने में रुचिरखती हैं।
- इसके तहत भारत ने दो वशिषिट पहलों की घोषणा की है:
 - नई दलिली स्थति सेंटर फॉर यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग (CUNPK) में वशिष पाठ्यक्रम आयोजति करना। इस पाठ्यक्रम के तहत आसियान देशों की महिला शांति सैनिकों को शांति अभयिानों हेतु लकषति प्रशकषण प्रदान कयिा जाएगा।
 - इसका उद्देश्य उन्हें UNPK मिशनों में प्रभावी ढंग से योगदान के लयिे [आवश्यक कौशल और ज्ञान से परपूरण करना](#) है।
 - आसियान की महिला अधिकारयिों के लयिे [टेबल टॉप एक्सरसाइज़](#) में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के समकष आने वाले वभिनिन परदृश्यों और चुनौतयिों के पहलुओं को शामिल कयिा जाएगा, जसिसे प्रतभागयिों को UNPK संचालन हेतु अपनी समझ तथा तैयारयिों को बढ़ाने में मदद मल्लेगी।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना:

- परचय:
 - संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना संयुक्त राष्ट्र द्वारा नयिोजति एक महत्त्वपूरण उपकरण है जो देशों को संघरष से शांति के मार्ग पर नेवगिट करने में मदद करता है।
 - इसमें [संघरष या राजनीतिक अस्थरिता से प्रभावति कषेत्रों में सैन्य, पुलसि कर्मयिों और नागरिकों](#) की तैनाती शामिल है।
 - संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना का प्राथमकि उद्देश्य शांति और सुरकषा सुनशिचति करना, नागरिकों की रकषा तथा स्थरि शासन संरचनाओं की बहाली का समर्थन करना है।
 - यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरकषा बनाए रखने के संयुक्त प्रयास हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा, संयुक्त राष्ट्र सुरकषा परिषद, सचविलय, सेना तथा पुलसि एवं मेज़बान सरकारों को एक साथ लाता है।
- पहला मिशन:

- पहला संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन मई 1948 में स्थापित किया गया था, जब [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद](#) ने इजरायल और उसके अरब पड़ोसियों के बीच युद्धविराम समझौते की नगिरानी के लिये संयुक्त राष्ट्र ट्रूस सुपरवज़िन आर्गेनाइज़ेशन (United Nations Truce Supervision Organization- UNTSO) बनाने हेतु [मध्य पूर्व](#) में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षकों की तैनाती को अधिकृत किया था।

■ अधिदेश:

- ऑपरेशन/अभियान के आधार पर अधिदेशों में भिन्नता होती है, लेकिन उनमें प्रायः निम्नलिखित तत्त्वों में से कुछ या सभी शामिल होते हैं:
 - युद्धविराम, शांति समझौते और सुरक्षा व्यवस्था की नगिरानी करना।
 - नागरिकों की रक्षा करना, विशेष रूप से उनकी जिन्हें शारीरिक रूप से क्षति पहुँचने का जोखिम का अधिक हो।
 - राजनीतिक संवाद, सुलह और समर्थन एवं चुनाव की सुविधा।
 - कानून का शासन, सुरक्षा संस्थानों का निर्माण और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना।
 - मानवीय सहायता प्रदान करना, शरणार्थी पुनः एकीकरण का समर्थन करना और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना।

■ सिद्धांत:

◦ पक्षों की सहमति:

- शांति स्थापना कार्यों के लिये **संघर्ष में शामिल मुख्य पक्षों की सहमति की आवश्यकता** होती है।
 - सहमति के बिना एक शांति स्थापना अभियान, संघर्ष का पक्ष बनने और अपनी शांति स्थापना की भूमिका से वचलित होने का जोखिम उठाता है।

◦ नष्पिपक्षता:

- शांति सैनिकों को संघर्ष के पक्षकारों के साथ अपने **व्यवहार में नष्पिपक्षता** बनाए रखनी चाहिये।
- **नष्पिपक्षता का अर्थ तटस्थता नहीं है;** शांति सैनिकों को अपने जनादेश को सक्रिय रूप से नष्पिपादित करना चाहिये और **अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों** को बनाए रखना चाहिये।

◦ आत्मरक्षा और जनादेश की रक्षा को छोड़कर बल का प्रयोग न करना:

- शांति अभियानों में बल का उपयोग तब तक नहीं किया जाना चाहिये जब तक कि **आत्मरक्षा** या **उनके जनादेश को बनाए रखने** के लिये इसकी आवश्यकता न हो।
- सुरक्षा परिषद के सभी पक्षकारों की सहमति और अनुमोदन एवं मेज़बान देश की सहमति के पश्चात् "मज़बूत" शांति व्यवस्था बल के उपयोग की अनुमति दी जाती है।

■ उपलब्धियाँ:

- वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के बाद से इसने कई देशों में संघर्षों को समाप्त करने और सुलह को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
 - **कंबोडिया, अल सलवाडोर, मोज़ाम्बिक और नामीबिया** जैसे स्थानों में सफल शांति मिशन चलाए गए हैं।
 - इन कार्रवाइयों ने **स्थिरता बहाल करने, लोकतांत्रिक शासन में परिवर्तन** को सक्रिय करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर सकारात्मक प्रभाव डाला।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में भारत का योगदान:

■ सेना का योगदान:

- यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग ऑपरेशंस में योगदान देने की भारत की समृद्ध वरिष्ठ रही है। यह वैश्विक स्तर पर विभिन्न शांति अभियानों के लिये सैनिकों, चिकित्सा कर्मियों और इंजीनियरों को तैनात करने के साथ **सबसे बड़े सैन्य-योगदान करने वाले देशों** में से एक है।
 - अब तक के शांति अभियानों में भारत के लगभग 2,75,000 सैनिकों ने योगदान दिया है।

■ जनहानि:

- भारतीय सैनिकों ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में सेवा प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण बलिदान दिये हैं, जसिमें 179 सैनिकों ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गँवाई है।

■ प्रशिक्षण और बुनयादी ढाँचा:

- भारतीय सेना ने नई दिल्ली में **सेंटर फॉर यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग (CUNPK)** की स्थापना की है।
 - यह केंद्र शांति अभियानों में प्रतिवर्ष 12,000 से अधिक सैनिकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ ही संभावित शांति रक्षकों एवं प्रशिक्षकों के लिये राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रमों की मेज़बानी करता है।
 - CUNPK सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने एवं शांति रक्षकों की क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

■ शांति स्थापना में महिलाएँ:

- भारत ने शांति अभियानों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिये सक्रिय कदम उठाए हैं।
 - भारत ने **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थरीकरण मिशन** तथा **अबेई** के लिये संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल में **महिला दल** को तैनात किया है, जो **लाइबेरिया के बाद दूसरा सबसे बड़ा महिला सैनिकों का दल** है।
 - भारत ने **संयुक्त राष्ट्र डिसिप्लिनरी आर्म्ड फोर्स** में **महिला सैन्य पुलिस** और **विभिन्न मिशनों में महिला अधिकारियों** एवं **सैन्य पर्यवेक्षकों** को भी तैनात किया है।

स्रोत: द हिंदू

